अंक - 13, वर्ष 2023

चेन्नै पत्तन प्राधिकरण
CHENNAI PORT AUTHORITY

सागर सलोनी

(The Beauty of the Ocean)

हिंदी दिवस समारोह - 2022

सागर सलोनी

संपादक मंडल

अध्यक्ष

श्री सुनील पालीवाल, भा.प्र.से.
अध्यक्ष

मार्गदर्शक

श्री एस.विश्वनाथन, भा.प्र.से.
उपाध्यक्ष

मुख्य संपादक

श्री इंद्रनील हाज़रा, सचिव

संपादक

श्रीमती एस.अरुणा, हिंदी अधिकारी

सहायक संपादक मंडल

श्रीमती एम.आर.लक्ष्मी, हिंदी अनुवादक
श्री एम.बालराज, हिंदी अनुवादक
श्री आर.वेंकटेशन, ओ.ए. ग्रेड - I

पत्र व्यवहार का पता:

चेन्नै पत्तन प्राधिकरण,
प्रशासनिक कार्यालय,
नं.1, राजाजी सालै,
चेन्नै - 600 001.

दूरभाष : 044-25312000 व 044-25362201
फेक्स : 044-25361228
ई-मेइल : hindicell.chennaiport@gmail.com
वेबसाइट : www.chennaiport.gov.in

अध्यक्ष का संदेश

मुझे यह अत्यंत प्रसन्न की बात है कि चेन्नै पत्तन प्राधिकरण की 'गृह पत्रिका' 'सागर सलोनी' का १३वॉ अंक का प्रकाशन किया जा रहा है।

आशा है, यह पत्रिका निश्चय ही कार्मिकों में उत्साह उत्पन्न करेगी और सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को भी बढ़ावा देगी।

चेन्नै पोर्ट के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से ही पोर्ट में राजभाषा नीति का शत-प्रतिशत सफल कार्यान्वयन संभव हुआ है। इस पत्रिका के माध्यम से, राजभाषा हिंदी का प्रयोग बढ़ाने के लिए अपने संवैधानिक उत्तरदायित्व को समझते हुए सभी अधिकारी और कर्मचारी अपने योगदान देते रहना है।

सभी कार्मिकों से मैं अपील करुँगा कि संघ सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन में अपने दैनिक कार्यालयीन कामकाज में अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करें।

हार्दिक शुभकामनाएं !

अध्यक्ष
चेन्नै पत्तन प्राधिकरण

उपाध्यक्ष का संदेश

प्रिय साथियों,

चेन्नै पत्तन प्राधिकरण की हिंदी गृह पत्रिका 'सागर सलोनी' के १३वां अंक के माध्यम से आप सभी को मिलते हुए अत्यंत हर्ष एवं आनंद की अनुभूति हो रही है। चेन्नै पोर्ट राजभाषा कार्यान्वयन में निर्धारित लक्ष्य प्राप्ति हेतु सदैव प्रयासरत है।

चेन्नै पोर्ट, अपने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों से कई उपलब्धियॉ तथा पुरस्कार हासिल किए है।

चेन्नै पोर्ट के विकास और उत्कृष्टता को बनाए रखने का संकल्प आप सभी की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है। हम सब एकजुट होकर पोर्ट की प्रगति और विकास में सक्रिय रूप से सहभागी बने।

हिंदी गृह पत्रिका के प्रकाशन में जुडे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सफल प्रयासों को सराहना करता हूँ और उन्हें बधाई देता हूँ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

उपाध्यक्ष
चेन्नै पत्तन प्राधिकरण

सचिव का संदेश

"सागर सलोनी" का १३वाँ अंक आपको सौंपते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। "सगार सलोनी" के इस अंक में कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारी के लेखों, कविताओं को समाहित करने का प्रयास किया गया है।

कर्मियों को राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति जागरूक करने, उनके अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने, उन्हें प्रेरणा व प्रोत्साहन प्रदान करने तथा कुल मिलाकर चेन्नै पत्तन प्राधिकरण में राजभाषा के प्रति एक सकारात्मक वातावरण बनाए रखने के लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं।

सागर सलोनी का यह अंक सौंपते हुए आप समस्त कार्मिकों से मेरा यह अनुरोध है कि कृपया अपना समस्त विभागीय कामकाज हिंदी में करने की कोशिश करें।

सचिव
चेन्नै पत्तन प्राधिकरण

संपादकीय..

चेन्नै पत्तन प्राधिकरण की हिंदी गृह पत्रिका 'सागर सलोनी' का १३वाँ अंक आपके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है। संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के तहत हिंदी के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है - पत्रिका का प्रकाशन।

चेन्नै पत्तन प्राधिकरण, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य प्राप्ति में सदैव आगे बढ़ रहा है।

सरकारी कार्यालयों में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अधिकारी के स्तर से लेकर कर्मचारी की स्तर तक होनी अपेक्षित है। अत: सभी अधिकारी से विनम्र अनुरोध है कि राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति पर निगरानी रखना तथा अपने दैनिक कार्यालयीन कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना एवं उत्तरदायी बनना आवश्यक है अत: राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में अपना सक्रिय सहयोगिता सुनिश्चित करें।

आज तक राजभाषा के प्रगामी प्रयोग के साथ दे रहे सभी कार्मिकों को अपनी हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी अपनी सहयोग देने हेतु अनुरोध के साथ आगामी भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त करती हूँ।

धन्यवाद

हिंदी अधिकारी
चेन्नै पत्तन प्राधिकरण

विषय सूची

क्र.सं.	लेख	लेखक	पृष्ठ सं.
1.	चेन्नै पत्तन प्राधिकरण - रूपरेखा		7
2.	जी 20 Summit		9
3.	तूफान आए तो आने दो ...		11
4.	खुद का मूल्य जानिए	एस.अरुणा, हिंदी अधिकारी, सा.प्र. विभाग	12
5.	संत कवि तिरुवल्लुवर और कबीर	एस.लिल्ली जेमिमा तंगमलर, सहा. अधी., सा.प्र. विभाग	13
6.	डिजिटल इंडिया - निबंध	एस.बाबू, वरि.सहा., यातायात विभाग	14
7.	आज़ादी का अमृत महोत्सव और समाज में चेन्नै पत्तन प्राधिकरण का योगदान - निबंध	एम.आर.लक्ष्मी, हिंदी अनुवादक, सा.प्र. विभाग	16
8.	CHATGPT: मानव-मशीन संवाद के नए माध्यम की उपयोगिता	एम.बालराज, हिंदी अनुवादक, सा.प्र. विभाग	18
9.	घनिष्ठ दोस्तों की कहानी	एम.बालराज, हिंदी अनुवादक, सा.प्र. विभाग	20
10.	Memorable Moments		23
11.	हिंदी प्रतियोगिताएँ की झलक		24
12.	क्रेन	आर.प्रभाकरन, वरि. सहा., सा.प्र. विभाग	25
13.	जादूई शब्द	एस.अरुणा, हिंदी अधिकारी, सा.प्र. विभाग	29
14.	साइबर सुरक्षा	एस.केसवन, वरि.के.पी.ओ., ई.डी.पी. प्रभाग	31
15.	Take it Easy Just Chill !	आर.पी.नित्यानन्दम, सहा. अधी., सा.प्र. विभाग	35
16.	राष्ट्रीय ध्वज तथ्यों पर एक नज़र	एस.कुमुदा, सहा. अधी., सा.प्र. विभाग	36
17.	Basic Hindi Grammar Rules		37
18.	रिलैक्स Please!		42

चेन्नै पत्तन प्राधिकरण - रूपरेखा

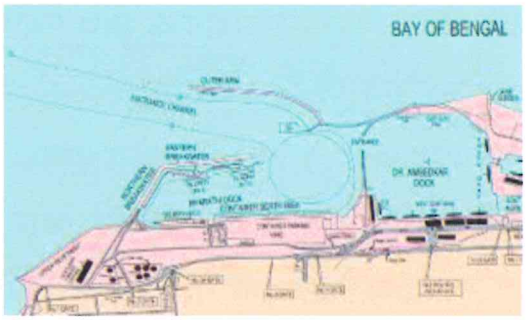

चेन्नै पत्तन प्राधिकरण राष्ट्र के बहुमूल्य सेवा प्रदान करने वाले वाणिज्यिक प्रचालन में, 143 वॉ वर्ष में है । इसमें 26 मल्टी कार्गो बर्थ हैं, जिनके द्वारा रो-रो सहित द्रव, सूखा, ब्रेक थोक कार्गो तथा कंटेनरों की संहलाई की जाती है । पोर्ट में पर्याप्त बैकअप क्षेत्र और गोदामों के साथ अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है । रेल और सड़क मार्ग द्वारा हिंटरलैंड तक कनेक्टिविटी उत्कृष्ट है ।

पोर्ट ने वित्त वर्ष 2022-23 में 48.95 मेट्रिक टन कार्गो को संभालते हुए काफी अच्छा निष्पादन किया है। वर्ष 2022-23 के दौरान प्राप्त कुल टन भार में, अकेले कंटेनर हिस्सेदारी 58% (1.47 मिलियन टीईयू), पीओएल 29% और शेष 13% सूखे थोक, ब्रेक बल्क और अन्य तरल कार्गो के माध्यम से है। पोर्ट ने 231412 कारों को संभाला, जो महा पत्तनों के बीच नंबर 1 पोर्ट है। ईएक्स-आईएम व्यापार की जरूरतों को पूरा करने के लिए पोर्ट को 543522 वर्ग मीटर के ट्रांसिट क्षेत्र, 58200 वर्ग मीटर के कवरड भंडारण क्षेत्र और 10160 वर्ग मीटर के ट्रांसिट शेड क्षेत्र के साथ एक खुला भंडारण क्षेत्र प्रदान किया गया है। कंटेनर टर्मिनलों पर 15 मीटर ड्राफ्ट के साथ कंटेनर जहाजों को संभालने की क्षमता पोर्ट को 9000 से अधिक टीईयू क्षमता वाले जहाजों को संभालने में सक्षम बनाती है।

चेन्नै पोर्ट भारत के महा पत्त्नों में से, दूसरा बड़ा कंटेनर पोर्ट है। चेन्नै पोर्ट में पीपीपी मोड पर मैसर्स डीपी वर्ल्ड और मैसर्स पीएसए इंटरनेशनल जैसे दो कंटेनर टर्मिनल द्वारा प्रबंधन और संचालन किया जाता है । चेन्नै पोर्ट पूर्वी तट पर कंटेनर ट्रांसशिपमेंट हब के रूप में तेजी से उभर रहा है, जिसमें केलांग, सिंगापुर, चीनी पोर्ट, कोलंबो और जेबेल अली जैसे अंतर्राष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्टों से उत्कृष्ट नियमित कनेक्टिविटी है ।

चेन्नै पोर्ट ने विभिन्न व्यापार सुविधा हेतु उपाय किए हैं जैसे 25%-60% से एकस्मि कंटेनर जहाजों के लिए जहाज संबंधित प्रभार पर अपफ्रंट रियायत देने, 2%-5% तक रायल्टी छूट देने, ट्रान्स्शिपमेंट एक्सिम कंटेनरों के लेने के लिए विदेशी कंटेनर जहाज के लिए 5% तक अपफ्रंट अतिरिक्त रियायत देने, आदि । प्रति यात्रा एक्जिम लादन ट्रांससिपमेंट कंटेनरों के 100 टीईयूस ले जाने वाले तटीय जहाजों के लिए वीआरसी में रियायत 70% तक बढ़ा दी गई है, साथ ही तटीय जहाजों के लिए 50% या तो तटीय लादन ट्रांससिपमेंट कंटेनरों के 100 टीईयूस या संयुक्त तटीय और एक्जिम ट्रांससिपमेंट कंटेनर हैं।

चेन्नै पोर्ट के पास एक समय में 4500 कारों को पार्क करने की क्षमता के साथ 60,000 वर्ग मीटर कुल स्टैक क्षेत्र के साथ पर्याप्त ड्राफ्ट का आधुनिकीकृत कार टर्मिनल है। मप्पेडु में एमएमएलपी के विकास हेतु चे.प.प्रा टीडको (तमिलनाडु सरकार) तथा एनएचएलएमएल व (एनएचएआई) के बीच त्रिपक्षीय समझौता किया गया। चेन्नै पोर्ट जोलारपेट जंक्शन यार्ड में माल शेड सुविधाओं को विकसित करने के लिए कदम उठा रहा है, जिससे रेल द्वारा चेन्नै से जोलारपेट जंक्शन तक कंटेनरों को खाली करने में मदद मिलेगी ।

पोर्ट आफ चेन्नै एण्ड पोर्ट आफ व्लाडीवोस्टक के बीच मारीटाइम संचारण विकास पर भारत गणराज्य के शिप्पिंग मंत्रालय व रूस फेडरेशन के यातायात मंत्रालय के बीच एमओआई (मांग पत्र ज्ञापन) हस्ताक्षरित किया गया । दो पोर्टों के बीच मारीटाइम कनेक्टिविटी की संभाव्यता को देखने के उपलक्ष्य में चेन्नै पोर्ट तथा ताइलेंड पोर्ट (रेनांग पोर्ट) के प्राधिकरण के साथ समझौता हस्ताक्षरित किया गया ।

चेन्नै पत्त्न प्राधिकरण में सभी ऑनलाइन वाणिज्यिक लेनदेन को संभालने के लिए वेब सेवाएँ जैसे नएएं टरप्राइज बिजनेस सिस्टम (ईबीएस), एक्सिम कंटेनरों के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी इंटर-एक्टिव डिवाइस (आरएफआईडी) आधारित दस्तावेज़ सत्यापन, इलेक्ट्रॉनिक डेटा इंटर-फेस (ईडीआई) और पोर्ट कम्यूनिटी सिस्टम् (पीसीएस) आदि प्रचलित है ।

An employee shall be deemed to possess proficiency in Hindi if:-

he has passed the Matriculation or any equivalent or higher examination with Hindi as the medium of examination; or he has taken Hindi as an elective subject in the degree examination or any other examination equivalent to or higher than the degree examination; or he declares himself to possess proficiency in Hindi in the form annexed to these rules.

An employee shall be deemed to have acquired a working knowledge of Hindi if-

he has passed the Matriculation or an equivalent or higher examination with Hindi as one of the subjects; or he has passed the Pragya examination conducted under the Hindi Teaching Scheme of the Central Government or when so specified by that Government in respect of any particular category of posts, any lower examination under that Scheme; or any other examination specified in that behalf by the Central Government; or if he declares himself to have acquired such knowledge in the form annexed to these rules.

जी 20 Summit

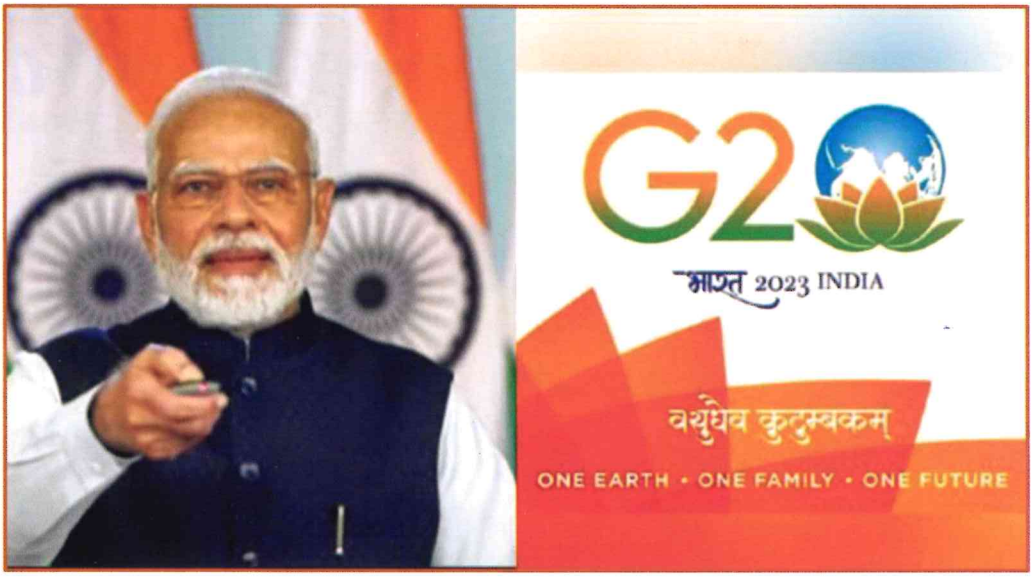

जी20 को ग्रुप ऑफ ट्वेंटी भी कहा जाता है। यह यूरोपियन यूनियन एवं 19 देशों का एक अनौपचारिक समूह है। जी20 शिखर सम्मेलन में इसके नेता हर साल जुटते हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था को कैसे आगे बढ़ाया जाए इस पर चर्चा करते हैं। इसका गठन साल 1999 में हुआ था।

उत्पत्ति

यह एक मंत्रिस्तरीय मंच है जिसे G7 द्वारा विकसित एवं विकासशील दोनों अर्थव्यवस्थाओं के सहयोग से स्थापित किया गया था। वर्ष 1999 से वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों का सम्मेलन आयोजित किया जाता है। वर्ष 2008 के वित्तीय संकट के दौरान दुनिया ने उच्चतम राजनीतिक स्तर पर एक नई सर्वसम्मति की आवश्यकता को महसूस किया। इसके परिणामस्वरूप यह निश्चय किया गया कि वर्ष में एक बार G20 राष्ट्रों के नेताओं की बैठक की जाएगी। G20 राष्ट्रों के वित्त मंत्री एवं केंद्रीय बैंक के गवर्नर वर्ष में दो बार बैठक करते हैं

G20 के कार्य

G20 के कार्यों को दो ट्रैक्स में विभाजित किया जाता है: फाइनेंस ट्रैक G20 समूह के वित्त मंत्री एवं केंद्रीय बैंक के गवर्नर और उनके प्रतिनिधियों के साथ सभी बैठकों में वित्तीय विनियमन, राजकोषीय मुद्दे एवं मुद्रा पर केंद्रित होता है।

G20 समूह के सदस्य

G20 समूह में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, कनाडा, चीन, यूरोपियन यूनियन, फ्राँस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य

अमेरिका शामिल हैं। स्पेन को एक स्थायी, गैर-सदस्य के रूप में आमंत्रित किया जाता है जो प्रत्येक वर्ष G20 सम्मेलन में भाग लेता है।

G20 के संरचना

G20 समूह का अध्यक्ष पद सदस्य देशों के मध्य वार्षिक तौर पर एक प्रक्रिया के तहत रोटेट होता रहता है जो समय के साथ-साथ क्षेत्रीय संतुलन सुनिश्चित करता है।

अध्यक्ष पद के चुनाव के लिये 19 राष्ट्रों को 5 समूहों में विभाजित किया जाता है, प्रत्येक समूह में 4 देश से अधिक नहीं होते हैं। अध्यक्ष पद वार्षिक स्तर पर प्रत्येक समूह में रोटेट (Rotate) होता है। प्रत्येक वर्ष G20 का कोई समूह, अध्यक्ष पद के लिये किसी अन्य समूह से किसी एक देश का चयन करता है। भारत समूह 2 में है जिसमें रूस, दक्षिण अफ्रीका एवं तुर्की भी शामिल हैं । G20 समूह के पास स्थायी सचिवालय या मुख्यालय नहीं होता है। इसके अतिरिक्त G20 समूह का अध्यक्ष अन्य सदस्यों के साथ परामर्श करके G20 एजेंडा को लागू करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास हेतु उत्तरदायी है।

ट्रोइका (Troika) प्रत्येक वर्ष जब एक सदस्य देश अध्यक्ष पद ग्रहण करता है तो वह देश पिछले वर्ष के अध्यक्ष देश एवं अगले वर्ष के अध्यक्ष देश के साथ समन्वय स्थापित करके कार्य करता है और इस प्रक्रिया को ही सामूहिक रूप से ट्रोइका कहते है। यह समूह के एजेंडे की अनुकूलता एवं निरंतरता को सुनिश्चित करता है।

सहयोग

वर्ष 2010 में टोरंटो में G20 राष्ट्रों के नेताओं ने इसे वैश्विक आर्थिक-को ऑपरेशन का प्रमुख मंच घोषित किया। G20 समूह के सदस्यों के कार्यों को विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा सहयोग प्रदान किया जाता है जो नीतियों के निर्माण में सलाह देते हैं। इन संगठनों में वित्तीय स्थायी बोर्ड, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, आर्थिक सहयोग और विकास संगठन, संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक, विश्व व्यापार संगठन शामिल हैं:

G20 सम्मेलन में भारत की प्राथमिकताएँ

* भ्रष्टाचार से लड़ने के लिये कर अपवंचन की जाँच करना।
* आतंकवादी वित्तपोषण को अवरुद्ध करना।
* प्रेषण की लागत में कटौती।
* प्रमुख दवाओं तक बाज़ार की पहुँच।
* विश्व व्यापार संगठन में सुधार।
* पेरिस समझौता को पूर्णतः लागू करना।

चुनौतियाँ

G20 समूह द्वारा समन्वित कार्रवाई करने के लिये सूचनाओं और बेहतरीन कार्यप्रणाली के सरल आदान-प्रदान से लेकर आम सहमति, मध्यम श्रेणी के

लक्ष्य तक को क्रमबद्ध करता है। आम सहमति एवं चर्चा के आधार पर निर्णय लिया जाता है और इसी के आधार पर घोषणाएँ की जाती हैं। ये घोषणाएँ कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होती हैं। यह 20 सदस्यों का सिर्फ एक सलाहकारी या परामर्शी समूह होता है। G20 समूह अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिये एक महत्त्वपूर्ण मंच है। G20 समूह की तरह एक प्रभावी वैश्विक विनियमन आवश्यक है क्योंकि बढ़ती शक्तियाँ वैश्विक आदेश को प्रभावित करने के लिये अवसरों की तलाश करती हैं।

तूफान आए तो आने दो

तूफान आए तो आने दो
कोई कहे रुको तो कहने दो
झुक जाना तेरा काम नहीं
जब तक मंजिल ना मिल जाए

धरती पर स्वर्ग उतर आए तु
तुझको आराम करना नहीं
इंसान आज है खतरे में
इंसियानियत भी खतरे में

भारत ही नहीं मेरे भाई
सारा संसार है खतरे में
होशियार खतरे से खाली
कोई यहां मुकाम नहीं

हे मानव निद्रा से जागो
दुर व्यसन बुराई को त्यागो
सोने के मृग मायावी है
तृष्णा के पीछे मत भागो

जीवन और खून को
मुफ्त में करो ना बदनाम
युग शिल्पियों संसार की
सूरत को ऐसे संसार दो

जिंदगी हो खुशनुमा और
प्यार ही बस प्यार हो
कहीं हो जीवन की शाम नहीं
श्वासों को अपनी सफल करो

खुद का मूल्य जानिए...

18वीं सदी की बात है, इमैन्युअल लिंगर नाम का एक चित्रकार जर्मनी से आकर अमेरिका के एक गाँव में रहा था। वह बहुत ही सुंदर चित्र बनाता था। इसलिए लोग उसे बहुत पसंत करते थे। एक दिन उसके मन में एक बहुत ही खराब विचार आया कि क्यों न मैं डालर का नकली नोट बनाऊँ और शीघ्र ही अमीर बन जाऊँ। इस ख्याल से वह तीव्र उत्तेजित हुआ। तुरंत ही नोट बनाने के लिए कागज, रंग आदि इकट्ठा करके नोट बनाना शुरु किया। हाथ से नोट का चित्र बना था। एक सप्ताह में केवल 20-30 डालर ही बन पाता तथा जीवन गुजरता था।

एक दिन सवेरे, सब्जीवाले से सब्जी लेने के बाद वे नकली नोट उनके पास दिया। सब्जीवाले उस नोट को बोरी के नीचे रख दिया। जब वह सारे पैसे निकालकर गिनने के लिए बैठा तब देखा कि एक नोट का रंग फैला हुआ और दूसरे नोटों पर भी लग गया था। यह बात सबको पता चल गया कि नकली नोट बाज़ार में आ गया है। भीड़ वहाँ लग गई।

समाचार सुनते ही पुलिस आ पहुँची। सब्जीवाले ने साफ पता देता कि यह लिंगर से दिया गया नोट है। पुलिस लिंगर के घर गया और वहाँ के रंग, कूची कागज आदि को देखकर यह सुनिश्चित किया कि लिंगर ही अपराधी है। उसको गिरफतार किया गया और तीन साल की सजा दी गई।

जेल में जब काम के बारे में लिंगर से पूछा गया तो, वे बोले कि उन्हें सिर्फ चित्र बनाने का ज्ञान ही है। तब यह निर्णय लिया गया कि लिंगर द्वारा चित्र ही बनाया जाए और उन चित्रों से प्राप्त पैसे को उनको ही देने का। जेल से रिहाई के समय, अधिकारी ने पैसे के कवर लिंगर के पास देनेवाले थे तब लिंगर ने बहुत उदास होकर (क्योंकि कैदियों की मज़दूरी बहुत कम ही होगा) पूछा इसमें कितना पैसा है। तब अधिकारी ने जवाब दिया 75 हज़ार डालर। लिंगर ने आश्चर्य चकित होकर पूछा क्या मज़ाक उडाते आप? तब अधिकारी ने बोला, लिंगर, तुम एक विश्व प्रसिद्ध चित्रकार बन सकते हो। तुम्हारे चित्रों को बेचकर ही इतना पैसा इकट्ठा

किया गया। इस महान विशेषता को तुम चोरी के काम के लिए इस्तेमाल किया और 20-30 डालर के लिए गलत रास्ता चुना।

आगे चल लिंगर एक प्रसिद्ध चित्रकार तो बने लेकिन पश्ताप का एक तीखा कांटा उन्हे जिंदगी भर चुपता रहा कि, एक महार विशेषता रहते हुए भी, गलत इसतेमाल के कारण सजा खानी पड़ी

लिंगर की आँखें सजा खाने के बाद खुली लेकिन हम सजा से पहले ही अच्छी रीति आँखें खोलकर खुद की जाँच कर लें।

संत कवि तिरुवल्लुवर और कबीर

उत्तर भारत के संत कवि कबीर और दक्षिण भारत के संत कवि तिरुवल्लुवर के समय में लगभग दो हजार वर्ष का अंतराल है, किंतु इन दोनों महाकवियों के जीवन में अद्भुत साम्य पाया जाता है। दोनों के माता-पिता ने जन्म देकर इन्हें त्याग दिया था, दोनों का लालन-पालन नि:संतान दंपतियों ने बड़े स्नेह और जतन से किया था । व्यवसाय से दोनों जुलाहे थे। दोनों ने सात्विक गृहस्थ जीवन की साधना की थी।

तिरुवल्लुवर का प्रामाणिक जीवन-वृत्तांत प्राप्त नहीं होता। प्रायः उन्हें चेन्नई के निकट मइलापुर गाँव का जुलाहा माना जाता है, किंतु कुछ लोगों के अनुसार वे राजा एल्लाल के शासन में एक बड़े पदाधिकारी थे और उन्हें वैसा ही सम्मान प्राप्त था जैसा चंद्रगुप्त के शासनकाल में चाणक्य को। उनके बारे में अनेक दंतकथाएँ प्रचलित हैं। जैसे कहा जाता है कि एक संन्यासी नारी जाति से घृणा करता था। उसका विश्वास था कि स्त्रियाँ बुराई की जड़ हैं और उनके साथ ईश्वर-भक्ति हो ही नहीं सकती। तिरुवल्लुवर ने बड़े आदर से उसे अपने घर बुलाया। दो दिन उनके परिवार में रहकर संन्यासी के विचार ही बदल गए। उसने कहा, "यदि तिरुवल्लुवर और उनकी पत्नी जैसी जोड़ी हो तो गृहस्थ जीवन ही श्रेष्ठ है।"

कबीर के दोहों की भाँति तिरुवल्लुवर ने भी छोटे छन्द में कविता रची जिसे 'कुरल' कहा जाता है। कुरलों का संग्रह 'तिरुक्कुरल' उनका एकमात्र ग्रंथ है। तिरुक्कुरल को तमिल भाषा का वेद माना जाता है। इसका प्रत्येक कुरल एक सूक्ति है और ये सूक्तियाँ सभी धर्मों का सार हैं। पूर्ण मानवजाति को शुभ के लिए प्रेरित करना ही इसका उद्देश्य प्रतीत होता है।

डिजिटल इंडिया

आधुनिक युग में जहां संचार और तकनीकी उन्नति ने मानव जीवन को सुविधाजनक बना दिया है, वहीं डिजिटल इंडिया की योजना भारतीय समाज के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह योजना 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा शुरू की गई थी। डिजिटल इंडिया के माध्यम से लक्ष्य है कि भारत सरकार के द्वारा तकनीकी उन्नति और इंटरनेट सुविधाओं को सभी नागरिकों के लिए पहुंचने का प्रयास किया जाए।

डिजिटल इंडिया का उद्देश्य भारतीय नागरिकों को इंटरनेट के माध्यम से सरकारी सुविधाएं, वित्तीय सेवाएं, जन सेवाएं, शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि जैसे क्षेत्रों में अधिक सुविधाएं प्रदान करना है। इसके माध्यम से भारतीय सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी जनता तक पहुंचने का भी प्रयास किया जाता है।

डिजिटल इंडिया अभियान अपने चार मुख्य स्तंभों पर आधारित है। पहला स्तंभ 'डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर' है, जिसका मतलब है कि देश में अच्छी तकनीकी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास का प्रयास किया जाए। दूसरा स्तंभ 'डिजिटल इंपावरमेंट' है, जो आम जनता को तकनीकी ज्ञान और कौशल प्रदान करके उन्हें डिजिटल जगत में सक्षम बनाने का उद्देश्य रखता है। तीसरा स्तंभ 'डिजिटल इंप्रोव्मेंट ऑफ़ सर्विस' है, जिसका मतलब है कि सरकारी सेवाओं को आम लोगों तक ई-गवर्नेंस के माध्यम से पहुंचाने का प्रयास किया जाए। चौथा स्तंभ 'जन और आँतरिक भागीदारी' है, जिसका मतलब है कि जनता को सरकारी नीतियों और निर्णयों में सक्रिय भागीदारी करने का प्रयास किया जाए।

डिजिटल इंडिया की योजना ने भारतीय गांवों में भी बदलाव लाया है। इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट सुविधा और डिजिटल तकनीक का उपयोग करके किसानों को जल्दी और सही मार्केट

जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलती है। इससे किसानों को अच्छे मूल्य मिलने शुरू हो गए हैं और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाएं जैसे ऑनलाइन बैंकिंग, ई-कॉमर्स, औषधीय जानकारी और सरकारी योजनाओं की जानकारी आसानी से प्राप्त हो सकती है।

डिजिटल इंडिया के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र में भी बदलाव आया है। इंटरनेट सुविधा के माध्यम से भारतीय छात्रों को विभिन्न ऑनलाइन पाठ्यक्रमों और वीडियो लेक्चर्स का लाभ मिलता है। इससे छात्रों को अच्छी शिक्षा की सुविधा देने में मदद मिलती है और उनका ज्ञान विस्तार होता है। इसके अलावा, डिजिटल इंडिया के माध्यम से विभिन्न योजनाओं की जानकारी शिक्षा कर्मियों तक पहुंचती है जिससे उन्हें अधिक सुविधाएं मिलती हैं और उनका काम आसान हो जाता है।

इसके साथ ही, डिजिटल इंडिया के माध्यम से जन सेवा क्षेत्र में भी क्रांति आई है। भारतीय नागरिकों को ऑनलाइन पैन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड और बैंक खाता जैसी सुविधाएं प्राप्त करने में आसानी हो गई है। इससे लोगों को व्यावसायिक और व्यक्तिगत कार्यों में सुविधाएं मिलती हैं और उनकी जीवन क्षमता में सुधार होता है।

डिजिटल इंडिया के माध्यम से सरकार ने आम जनता के लिए कई ऑनलाइन सेवाएं प्रदान की हैं। वेबसाइटों के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत करने, सरकारी दस्तावेज़ डिजिटल रूप में जमा करने, वेब पोर्टल पर जानकारी प्राप्त करने और बैंकिंग की सेवाओं का उपयोग करने की सुविधा प्रदान की जाती है। यह सब सुविधाएं जनता को समय और श्रम बचाने में मदद करती हैं और ई-गवर्नेंस को प्रोत्साहित करती हैं।

डिजिटल इंडिया अभियान देश की आर्थिक विकास को बढ़ाने, सामरिक ताकत को मजबूत करने और आम जनता के जीवन को सुगम बनाने में मदद करेगा। यह आम जनता को तकनीकी ज्ञान और कौशल प्रदान करके उन्हें आगे बढ़ने के लिए तैयार करेगा। डिजिटल इंडिया अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बनने के लिए हमें सभी को साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि हम अपने देश को तकनीकी उन्नति के रास्ते पर ले जा सकें।

आज के समय में डिजिटल इंडिया योजना ने भारतीय समाज को तकनीकी उन्नति का लाभ पहुंचाने का बहुत बड़ा काम किया है। यह योजना समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और भारत को एक डिजिटल राष्ट्र बनाने की दिशा में प्रयासरत रही है। इसके माध्यम से हमारे देश के नागरिकों को सुविधाएं प्रदान करने के साथ-साथ, डिजिटल इंडिया भारत को विश्व स्तर पर मान्यता दिलाने में भी सहायता कर रहा है। आईए हम सब मिलकर इस योजना को सफल बनाने का संकल्प लें और एक डिजिटल भारत का सपना पूरा करें।

आजादी का अमृत महोत्सव और समाज में चेन्नै पत्तन प्राधिकरण की योगदान (नराकास द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता - प्रथम पुरस्कार)

प्रस्तावना:

स्वतंत्र के पचत्तर वर्ष की स्मृति में, भारत के प्रधानमंत्री ने 21 मार्च 2021 को इस महोत्सव का शुभ आरंभ किया । दि.12 मार्च 1930 को महात्मा गॉधी ने नमक सत्याग्रह तथा दांडी मार्च का आयोजन किया । नमक सत्याग्रह के 91वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री ने इसी दिन पर महोत्सव का उद्घाटन किया ।

माननीय प्रधान मंत्री ने दि.15 अगस्त 2022 के पहले, 75 सप्ताहों तक इस उत्सव को मनाने का चिन्हित किया है

माननीय प्रधान मंत्री ने महात्मा गॉधी और अन्य नेताओं की श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होने भारतीय स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुदी दी । इस अवसर पर भारतवासियों को प्रेरित करने के लिए विभिन्न भागों में महोत्सव का आयोजन किया जाता है ।

भारत में अमृत महोत्सव का आयोजन:

हर वर्ष दि.15 अगस्त की तारीख खुशियॉ लेकर आती है और भारतवासियों के सभी मन में खुशी भरपूर रहती है । हर एक के जीवन के सभी क्षेत्रों में और सभी लोगों के मन में महान उद्देश्य रहता है । इस उद्देश्य को साकार बनाने हेतु भारत में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक दृश्य पर विकास होता जा रहा है । इस विकास पर विश्व भर में सभी देश अपनी निगरानी रखती है । इसलिए भारत को सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण और सकरारात्मक मार्ग पर चलना अनिवार्य है ।

इसी उपलक्ष्य में प्रधान मंत्री ने इस महात्वस पर ज़ोर दिया और जिसे पॉच स्तंभों पर बॉटा । जैसे:- स्वतंत्रता की लडाई, 75 वर्ष में विचार, 75 वर्ष में कार्यकलाप, 75 वर्ष में कार्रवाई, 75 वर्ष में निर्णय आदि ।

सामाजिक दृश्य से अमृत महोत्सव:

"हर मन का उत्सव - आजादी का अमृत महोत्सव" हमें आत्मनिर्भर भारत, शक्तिशाली भारत, स्वावलंबी भारत के सपने को साकार बनाने हेतु अपनी कर्तव्य निभाना आवश्यक है । हर एक का कर्तव्य यह है कि समाज में हर एक को अपना परिचय राष्ट्र के प्रति समर्पित करना चाहिए तथा शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभर सकें ।

अमृत महोत्सव - समाज में योगदान:

हमारे पूर्वजों ने हमें जो आजादी दी है उसे हमें सुरक्षित रखना है तथा उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रखना है । इसी उद्देश्य में प्रधानमंत्री के निगरानी से भारत सरकार के सभी केंद्रीय कार्यालयों, मंत्रालयों, सार्वजनिक उपक्रमों में कर्मचारियों के सहयोग से सामाजिक दृष्टिकोण से जनता के बीच प्रेरणा दिलाने

हेतु अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है । जैसे नराकास द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताएँ तथा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है । यह प्रशंसनीय बात है ।

चेन्नै पत्तन प्राधिकरण - एक दृश्य:

स्वतंत्रता के बाद सामाजिक युग में यह एक प्रमुख कंटेनर पोर्ट बन गया है । भारत का सबसे दूसरा बडा कंटेनर पोर्ट है ।

चेन्नै कंटेनर टर्मिनल, रो-रो टर्मिनल, इंटरनेशनल टर्मिनल, क्रूस टर्मिनल आदि महत्वपूर्ण है । सामाजिक व्यापारों से जुडने हेतु तथा समाज से संपर्क रखने हेतु, इंट्रा-पोर्ट कनेक्टिविटी, पोर्ट कनेक्टिविटी तेजी से चल रहा है । पाइपलाइन के माध्यम से कच्चे तेल का परिवहन किया जाता है । तीसरे बाक्स टर्मिनल भी चालू है । श्रीपेरुंबुदूर के विशेष आर्थिक क्षेत्र के पास राजीवगॉधी ड्राइ पोर्ट और मल्टी माडल लाजिस्टिक्स हब आदि कार्य विकास के अधीन है । जेट्टी का निर्माण, लोहा अयस्क बर्थ और तेल टर्मिनल के बीच किया जाना प्रस्तावित है ।

सामाजिक दृष्टि से चेन्नै पत्तन प्राधिकरण में अमृत महोत्सव के आयोजन द्वारा समाज में योगदान:

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत चेन्नै पोर्ट के परिसर में दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला, अनुशासनिक कार्यविधि पर कार्यशाला, सू.अ.अ 2005 पर वक्ता, स्कूल बच्चों के चित्रकारिता, प्रतियोगिता, स्वच्छ भारत के पखवाडा के उपलक्ष्य में स्वच्छता कार्य, स्वतंत्रता विषय में स्लोगन प्रतियोगिता, आसपास के गॉवों में ऑख जॉच/नियमित चैक-अप, सरकारी आश्रमों में वृद्धों की सहायता, हिंदी दिवस समारोह में आजादी पर जोर, पेड-पौधा लगाने का कार्यक्रम, प्रथमोपचार प्रशिक्षण, खतरनाक कार्गो की संहलाई में जागृता पर वक्ता, अगिनशमन का डेमो व वक्ता, पर्यावरण स्थिति पर जागृता, व्यवसायिक सुरक्षा पर वक्ता आदि चलाई गई और केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया ।

निष्कर्ष:

अमृत महोत्वस के उपलक्ष्य में, चेन्नै पोर्ट अपना सामाजिक योगदान समर्पित करते हुए आगे बढ रहा है । चेन्नै पोर्ट में सबसे बडा सागरीय व्यापार केंद्र, आटोमोबाइल, मोटार साइकिल, औद्योगिक और अन्य थोक खनिज का परिवहन किया जाता है । दक्षिणी भारत का सारा दक्षिणपूर्वी भाग इसकी पृष्ठभूमि है । हमारे देश के विकास में आजादी का बहुत बडा प्रभाव है जिससे स्वार्थी और हानिकारक प्रेरणा को मिटा देती है । इसी तरह चेन्नै पोर्ट द्वारा महोत्सव का आयोजन द्वारा विकास की ओर आगे बढने का यह महोत्सव सहारा बन गया है ।

जय हिंद

CHATGPT: मानव-मशीन संवाद के नए माध्यम की उपयोगिता

आजकल एक नया तकनीकी उपयोग दर्शकों के बीच में अद्‌वितीय प्रभाव डाल रहा है, जिसे चैटजीपीटी (ChatGPT) कहा जाता है। चैटजीपीटी (ChatGPT) एक कृत्रिम बुद्‌धिमान प्रणाली है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर आधारित है और ओपनएआई द्‌वारा विकसित की गई है। यह संवादात्मक कृषि मॉडल है जो भाषा संचार में सक्षम है। यह उपयोगकर्ता को तत्परता के साथ सहायता करता है और उनके प्रश्नों और समस्याओं का समाधान प्रदान करने के लिए तत्पर होता है।

हिंदी में chat.openai.com GPT-4 को खोलने के लिए अपनाए जाने वाले कदम :

1. सबसे पहले, अपने इंटरनेट ब्राउज़र को खोलें और नए टैब में वेबसाइट के लिए जाएँ।

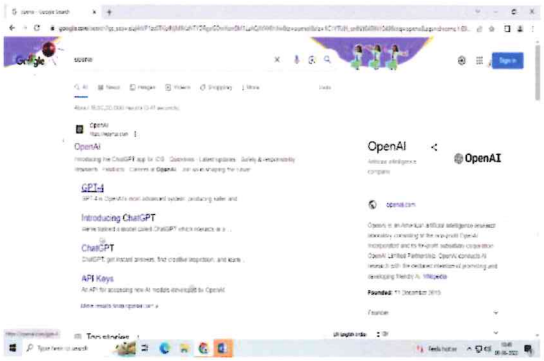

2. उपयुक्त वेबसाइट के पते "chat.openai.com" टाइप करें और Enter दबाएँ।
3. अब, आपको OpenAI चैट पेज पर पहुंचना चाहिए, जहां आप नवीनतम संस्करण GPT-4 का उपयोग कर पाएंगे।

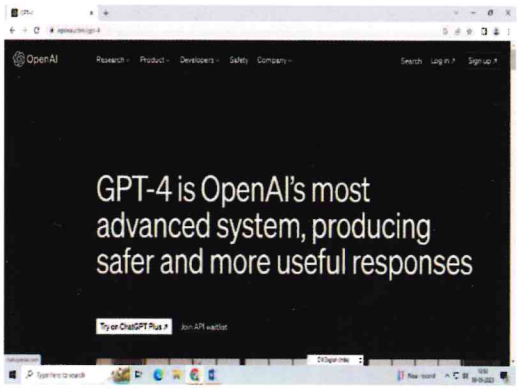

4. पृष्ठ के लोगिन सेक्शन में अपने विवरण दर्ज करें, यदि आपके पास पहले से ही खाता है, तो अपने उपयोगकर्ता नाम और पासवर्ड दर्ज करें। अन्यथा, एक खाता बनाने के लिए निर्देशों का पालन करें।
5. यदि आप सफलतापूर्वक लॉग इन हो जाते हैं, तो आप चैट इंटरफेस पर पहुँचेंगे। यहां, आप GPT-4 का उपयोग करके टेक्स्ट चैट शुरू कर सकते हैं।

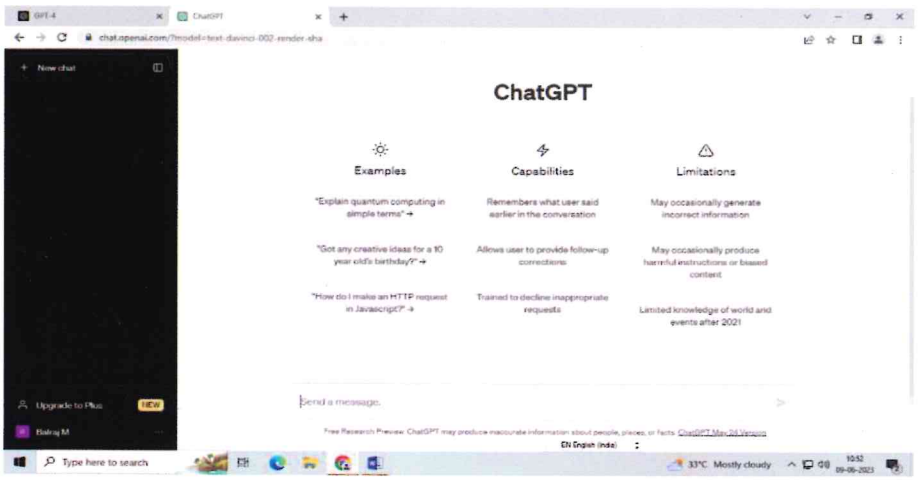

चैटजीपीटी एक सामरिक और संवेदनशील नेटवर्क है जो शक्तिशाली लेखन और संवाद समझने की क्षमता विकसित करता है। यह बहुत सारे प्रशिक्षण डेटा का उपयोग करके प्रशिक्षित होता है और संवाद रचनाओं को समझने और उनका उत्तर देने के लिए प्रयोग किया जाता है। यह अद्‌वितीय तरीके से संवाद करता है और उपयोगकर्ताओं को अनुभव महसूस कराता है कि वे एक मनुष्य के साथ संवाद कर रहे हैं।

चैटजीपीटी का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में किया जा सकता है। यह व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं के लिए ज्ञान प्रदान करता है, उनके प्रश्नों का उत्तर देता है और समस्याओं का समाधान प्रदान करता है। यह उपयोगकर्ताओं को समय और श्रम की बचत करता है और उन्हें तत्परता से तथ्यों और जानकारी से लाभ उठाने में मदद करता है।

चैटजीपीटी का उपयोग अवधारणाओं को समझने, प्रश्नों का उत्तर देने, सलाह देने, सामान्य ज्ञान प्रदान करने और सामान्य चर्चा करने के लिए किया जाता है। चैटजीपीटी का उपयोग भाषा अनुवाद, शोध, व्यापार विश्लेषण, आधारभूत सहायता और अन्य क्षेत्रों में किया जा सकता है। इसका उपयोग सरकारी संगठनों, विज्ञान और तकनीकी संस्थानों, वाणिज्यिक संगठनों, चिकित्सा क्षेत्र में और अन्य कई स्थानों पर किया जा रहा है।

चैटजीपीटी के अनुप्रयोग की व्यापकता विश्वसनीय रूप से बढ़ती जा रही है। इसका उपयोग संदेश, ईमेल, सोशल मीडिया, वेबसाइटों, ऐप्स, और अन्य सामग्रियों को संशोधित करने के लिए किया जा सकता है। यह उपयोगकर्ताओं को भाषा, साहित्यिक रचनाओं, खाद्य संदर्भों, संगीत, और अन्य क्षेत्रों में सहायता प्रदान करता है। चैटजीपीटी व्यापक ज्ञान और भाषाई सौम्यता का उपयोग करके उपयोगकर्ता की जरूरतों को पूरा करने की क्षमता रखता है।

हालांकि, चैटजीपीटी की कुछ सीमाएं भी हैं। इसे अपडेट किया और सुधारा जाता रहता है, लेकिन फिर भी यह एक मशीन है और इसकी सीमाएं होती हैं। कभी-कभी इसके उत्तरों में त्रुटियाँ हो सकती हैं और इसकी बातचीत की क्षमता मानवों के समान नहीं होती है। इसलिए, हमें यह ध्यान देना चाहिए कि हम इसे संवेदनशीलता के साथ और सही ढंग से उपयोग करें।

चैटजीपीटी एक महत्वपूर्ण और प्रभावी AI प्रौद्योगिकी है जो भाषा संचार को सुगम और सुविधाजनक बनाने में मदद करती है। इसके उपयोग से हम ज्ञान और समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते हैं और अधिक सामाजिक और आर्थिक माहौल को समर्थन कर सकते हैं। हालांकि, हमें इसकी सीमाओं को समझना और उसे सही ढंग से उपयोग करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

चैटबॉट्स और चैटजीपीटी की प्रगति बहुत गति से हो रही है और उनका उपयोग भविष्य में और भी व्यापक और महत्वपूर्ण होगा। समय के साथ, उसके जैसे विकासों में और भी अद्‌वितीयता और उन्नति की संभावनाएं हैं। अतः, ऐसा लगता है कि चैटबॉट्स का उपयोग भविष्य में और भी व्यापक और महत्वपूर्ण होगा। वे हमारे जीवन को आसान और सुगम बनाने में मदद करेंगे और नए और उत्कृष्टता से भरे समाधान प्रदान करेंगे।

****

घनिष्ठ दोस्तों की कहानी

कई साल पहले चार घनिष्ठ दोस्तों ने एक ही स्कूल में एक साथ बोर्ड तक पढ़ाई की । जहाँ वे रहते थे, उस शहर में सिर्फ़ एक ही अच्छा होटल था।

बोर्ड परीक्षा ख़त्म होने के बाद उन चारों दोस्तों ने तय किया कि हमें उस होटल मे एक साथ चाय-नाश्ता कर कुछ पलों को साथ बिताते हुए उसे यादगार बनाना चाहिए।

उन चारों ने मिलकर मुश्किल से चालीस रुपये जमा किए, रविवार का दिन था, साढ़े दस बजे वे चारों साइकिल से उस होटल में जा पहुंचे।

दिनेश, संतोष, मनीष और प्रवीण चाय-नाश्ता करते हुए एक दूसरे से बातें करने लगे..

कुछ देर बाद उन चारों ने सर्वसम्मति से ये फैसला किया कि आज से ठीक पचास साल बाद हम 01 अप्रैल को इस होटल में फिर मिलेंगे..तब तक हम सब को बहुत मेहनत करनी चाहिए और यह देखना दिलचस्प होगा कि जीवन में किसकी कितनी प्रगति हुई.... जो दोस्त उस दिन सबसे बाद में होटल आएगा, उसे ही होटल का बिल चुकाना होगा।

उनको चाय नाश्ता परोसने वाला वेटर कालू यह सब सुन रहा था, उसने कहा कि अगर मैं यहां रहा तो मैं भी इस होटल में आप सब का इंतजार करूंगा..

आगे की शिक्षा के लिए चारों अलग अलग हो गए..

दिनेश के पिता के ट्रांसफर होने पर वह शहर छोड़ चुका था, संतोष आगे की पढ़ाई के लिए अपने चाचा के पास चला गया, मनीष और प्रवीण को शहर के अलग-अलग कॉलेजों में दाखिला मिला..

कुछ वर्षों बाद मनीष भी शहर छोड़कर चला गया।

दिन' महीने' साल बीत गए..

बीते कुछ वर्षों में उस शहर में आमूल-चूल परिवर्तन आया, शहर की आबादी बढ़ी, सड़कों, फ्लाईओवर, गगनचुंबी इमारतों ने बदल दी शहर की सूरत।

अब वह होटल फाइव स्टार होटल बन गया था, वेटर कालू अब कालू सेठ बन गया और साथ ही होटल का मालिक भी।

पचास साल बाद, निर्धारित तिथि, 01 अप्रैल को दोपहर में, एक लग्जरी कार होटल के गेट पर आई..
दिनेश कार से उतरा और लॉबी की ओर चलने लगा, दिनेश के पास अब तीन ज्वैलरी शो रूम थे।

दिनेश होटल के मालिक कालू सेठ के पास पहुंचा, दोनों एक दूसरे को देखते रहे..

कालू सेठ ने कहा कि प्रवीण सर ने आपके लिए एक महीने पहले ही एक टेबल बुक किया है।

दिनेश मन ही मन सोच रहा था कि वह चारों में से पहला था, इसलिए उसे आज का बिल नहीं देना पड़ेगा ।

एक घंटे में संतोष आ गया, संतोष शहर का बड़ा बिल्डर बन गया था।

अब दोनों बातें करते हुए दूसरे मित्रों का इंतजार कर रहे थे, तीसरा मित्र मनीष आधे घंटे में आ गया..

उससे बात करने पर दोनों को पता चला कि मनीष बड़ा बिजनेसमैन बन गया है..

तीनों मित्रों की आंखें बार बार दरवाजे पर जा रही थीं, प्रवीण कब आएगा..??

इतनी देर में कालू सेठ ने कहा कि प्रवीण सर की ओर से एक संदेश आया है, तुम सब चाय का नाश्ता शुरू करो, मैं आ रहा हूं..

तीनों पचास साल बाद एक-दूसरे से मिलकर खुश थे..

घंटों तक हंसी मजाक चलता रहा, लेकिन प्रवीण नहीं आयाकालू सेठ ने कहा कि फिर से प्रवीण सर का मैसेज आया है, आप तीनों अपना मनपसंद मेन्यू देखकर खाना शुरू करें..

तीनों ने खाना खा लिया तो भी प्रवीण नहीं दिखा, बिल मांगते ही तीनों को जवाब मिला कि ऑनलाइन बिल का भुगतान हो चुका है..

शाम के आठ बजे एक युवक कार से उतरा और भारी मन से निकलने की तैयारी कर रहे तीनों मित्रों के पास पहुंचा, तीनों उस आदमी को देखने लगे।

युवक कहने लगा, मैं आपके दोस्त प्रवीण का पुत्र रवि हूं ।

पिताजी ने मुझे आप सब के आने के बारे में विस्तार से बताया था, उन्हें इस दिन का बहुत बेसब्री से इंतजार था, लेकिन पिछले महीने एक गंभीर बीमारी के कारण उनका निधन हो गया..

उन्होंने मुझे आपलोगों से आज के दिन कुछ देर से मिलने के लिए कहा था ताकि आपलोगों को ये तुरंत मालूम न पड़ जाए कि उनका निधन हो चुका है । उनका मानना था कि ये जानकर आपसबों को बहुत दुख होगा औऱ तब उनके दोस्त नहीं हंसेंगे और वे इतने अरसे के बाद एक-दूसरे से मिलने की खुशी खो देंगे।

इसलिए उन्होंने मुझे देर से आने की सख़्त हिदायद दी थी।

उन्होंने मुझे उनकी ओर से आप सबों के पैर छूकर गले लगाने के लिए भी कहा था ,ये कहते हुए रवि ने अपने दोनों हाथ फैला दिए..
आसपास के लोग उत्सुकता से इस दृश्य को देख रहे थे, उन्हें लगा कि उन्होंने इस युवक को कहीं देखा है..

रवि ने फ़िर कहा कि मेरे पिता एक आदर्श शिक्षक बने और मुझे पढ़ाकर कलेक्टर बनाया, आज मैं इस शहर का कलेक्टर हूं..

सब चकित थे, कालू सेठ ने कहा कि अब पचास साल बाद नहीं, बल्कि हर पचास दिन में हम अपने होटल में बार-बार मिलेंगे, और हर बार मेरी तरफ से एक भव्य पार्टी होगी..

सभी ने एक दूसरे को गले से लगा लिया ।

अपने सगे-सम्बन्धियों औऱ दोस्तों से मिलते रहे, उनसे मिलने के लिए बरसों का इंतजार मत करें, जाने किसकी बिछड़ने की बारी कब आ जाए और पता भी नही चले.....अपनों के हमेशा क़रीब रहें औऱ उन्हें अपने साथ होने का भावनात्मक एहसास दें..... ।

क्या भरोसा है ज़िंदगानी का...
आदमी बुलबुला है पानी का...!!

.....

Memorable Moments ...

हिंदी प्रतियोगिताएँ की झलक

क्रेन

क्रेन परिवहन और निर्माण की दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण आविष्कारों में से एक है। प्राचीन यूनानियों ने इन क्रेन को भार उठाने के कार्य में लगाने के लिए जानवरों की शक्ति का उपयोग किया था। आजकल अधिकांश क्रेन में Hydraulic System, Internal Combustion Engine और मोटार का उपयोग किया जाता है।

एक क्रेन, जो एक Derrick या Tower से सुसज्जित होता है, का उपयोग पुल्ली और केबल के उपयोग से किसी भारी समान को कम करने और उठाने के लिए किया जाता है। भारी उपकरण निर्माता और Construction Industry अपनी प्रक्रिया से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में क्रेन का उपयोग करते हैं।

यह क्रेन या तो एक उद्देश्य से निर्मित वाहन पर लगाया जाता है या जमीन पर लगाया जाता है। उनके कार्यों और संरचना के आधार पर, इस क्रेन को डेरिक या टॉवर में विभाजित किया गया है। क्रेन किसी भारी समान को उठाने के लिए पुली और केबल से लैस होता है जिसे किसी भी भारी वस्तु या उपकरण को एक Sling के सहारे क्रेन के हुक में लगा कर उठाया जाता है।

क्रेन को Control का संचालन करने वाले व्यक्ति जिसे क्रेन Operator कहा जाता है, और जमीन में काम करने वालों जिसे Rigger या Signal Man कहा जाता है, के बीच एक मानकीकृत हाथ संकेत (Hand Signal) का उपयोग किया जाता है ताकि क्रेन Operator को सही से उठाने के बारे में रास्ता दिखाया जा सके। बड़े प्रतिष्ठान इस उद्देश्य के लिए रेडियो संचार का उपयोग भी करते हैं।

क्रेन के अनुभवी चालक दल द्वारा ऐसे Signals का उपयोग करके भार को बड़ी सटीकता के साथ उठा कर रखा जा सकता है। जब अधिक भारी भार उठाने या लोड उठाने

की बात आती है, तो अलग-अलग वजन, आकार और उठाने की क्षमता (SWL) के हिसाब से विभिन्न मोबाइल या स्थिर क्रेन होते हैं।

काम से मेल खाने के लिए सही प्रकार की क्रेन चुनने की प्रक्रिया में, भार को उठाने के लिए Radius और क्रेन की Capacity दोनों पर विचार करना आवश्यक है Safety के दृष्टिकोण से और भी बहुत सारी चीजों को देखना जरूरी है इसके बारे में हम नीचे क्रेन Safety के सेक्शन में बात करेंगे। क्रेन Kya Hai इसे समझने के बाद अब सबसे पहले क्रेन के Types को जानना जरूरी है, यहाँ Construction और अन्य Industry में उपयोग की जाने वाली सबसे आम क्रेन हैं

Types of Crane / क्रेन के प्रकार

1. मोबाइल क्रेन

Mobile क्रेन ट्रक Mounted या पहिया आधारित होता है और भारी भार को संभालने और उठाने के लिए उपयोग की जाने वाली मशीनरी का सबसे लोकप्रिय होता है। वे पाइपलाइनों, इमारतों, पुलों, या राजमार्गों के रखरखाव से संबंधित परियोजनाओं सहित विभिन्न Construction Project पर एक आम तौर पर देखा जा सकता हैं। Mobile क्रेन व्हील-माउंटेड, ट्रक-माउंटेड या क्रॉलर-माउंटेड हो सकते हैं। मोबाइल क्रेन आम तौर पर एक उछाल का संचालन करते हैं जिसके अंत में Cable और Sheave द्वारा एक हुक लटकता है। Mobile क्रेन बहुत ही उपयोगी हैं और ये कहीं भी आसानी से लिए जाए जा सकते हैं और ये इंडस्ट्री में सबसे अधिक उपयोग होने वाला क्रेन है।

2. टावर क्रेन

कोई भी बड़ी Construction Project बड़े उपकरण, स्टील, कंक्रीट, या अन्य भारी सामग्री को उठाने में मदद करने के लिए Tower क्रेन पर निर्भर करती है। इस प्रकार की क्रेन को अपने बड़े आकार के कारण साइट पर आसानी से इकट्ठा और Dismantle किया जाता है, जिसके पार्ट्स कई फीट ऊंचाई पर खड़े हो सकते हैं। उठाने की क्षमता क्रेन की Capacity और Radius पर निर्भर करती है।

Tower क्रेन बहुमुखी प्रतिभा और उपयोगिता के मामले में किसी भी अन्य क्रेन से आगे निकल जाती है। यह किसी भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य के लिए सटीक उठाने की तकनीक के साथ आता है। Tower क्रेन उच्च उपयोगिता वाले उपकरण का उपयोग स्टील, कंक्रीट, एसिटिलीन टॉर्च और जनरेटर जैसे बड़े उपकरण और अन्य निर्माण सामग्री की एक विस्तृत विविधता को उठाने के लिए किया जाता है।

3. मराइन क्रेन

Marine क्रेन को विशेष रूप से समुद्र के जहाज से जोड़ने या तट रेखा के बहुत करीब स्थापित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। नाव से जुड़ी क्रेन का उपयोग भारी भार उठाने और उन्हें किनारे पर या पानी में किसी अन्य स्थान पर रखने के लिए किया जाता है । Marine क्रेन कई अलग-अलग आकारों और किस्मों में आते हैं, Jibs Choice, जैसे Telescopic, Stiff boom, या Foldable Knuckle Boom शामिल हैं।

डेक पर क्रेन आम तौर पर 10 से 15 टन के कामकाजी भार के साथ काम करते हैं, हालांकि कुछ बड़े होते हैं जो 40 से 100 टन तक आसानी से उठा सकते हैं। इनका उपयोग तेजी से कार्गो लोडिंग और अनलोडिंग के लिए किया जा सकता है। बड़े रिग में सेंटर लाइन पर दो या तीन क्रेन तक स्थापित हो सकते हैं। इन्हें 360 डिग्री पहुंच देने के लिए टर्नटेबल प्लेटफॉर्म पर रखा जाता है। Operation यानि काम के हिसाब के आधार पर विभिन्न प्रकार की क्रेनें बनाई जाती हैं,

4. गैंट्री क्रेन

Gantry क्रेन या Overhead क्रेन स्टॉक यार्ड में भारी सामग्री या उपकरण को स्थानांतरित करने के लिए अधिक उपयोग में लाया जाता है। इस प्रकार की क्रेन दो ए-फ्रेम

से जुड़ी होती है और इसके Top horizontal rail में आगे और पीछे चलती है। Lifting Capacity गैन्ट्री क्रेन के आकार के साथ भिन्न होती है जिसमें छोटे मॉडल 10 टन और बड़े मॉडल 100 टन तक उठाने के लिए डिज़ाइन किए जाते हैं।

Overhead/Gantry क्रेन एक Bridge Type Structure के साथ अपना भार वहन करता है जो एक इमारत या वर्क्शॉप की दीवारों से जुड़ा हुआ होता है और इसे नीचे एक कन्ट्रोलर के द्वारा ऑपरैट किया जाता है।

ये क्रेन या तो Adjustable ऊंचाई या निश्चित ऊंचाई की हो सकती है, और आमतौर पर स्टील या एल्यूमीनियम से बना होता है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि क्रेन का उपयोग किस अनुप्रयोग के लिए किया जाएगा। जिस तरह से Gantry क्रेन को डिज़ाइन किया गया है वह दो Upright Beam और फिर एक Cross Beam के साथ है। क्रेन के दो पैर होते हैं जिन्हें ए-फ्रेम डिज़ाइन में आकार दिया जाता है और इसे पोर्टेबल और चलने योग्य बनाने के लिए नीचे पहियों के साथ बनाया जाता है।

आमतौर पर, अपने सबसे छोटे संस्करण में एक Gantry क्रेन का उपयोग बड़े भागों, कंटेनरों और मोल्डों को किसी विशेष स्थान से या असेंबली या वर्क स्टेशनों के बीच ले जाने के लिए निर्माण कार्य में किया जाता है। एक गोदाम की स्थापना में, गैन्ट्री क्रेन का उपयोग कार्य क्षेत्र के भीतर दूरियों के लिए भारी सामग्री को स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है।

"भारत की परंपरागत राष्ट्रभाषा हिंदी है।" - नलिनविलोचन शर्मा।
"देश को एक सूत्र में बाँधे रखने के लिए एक भाषा की आवश्यकता है।" - सेठ गोविंददास।
"राष्ट्रीय एकता की कड़ी हिंदी ही जोड़ सकती है।" - बालकृष्ण शर्मा नवीन।

जादूई शब्द (MAGICAL WORD)

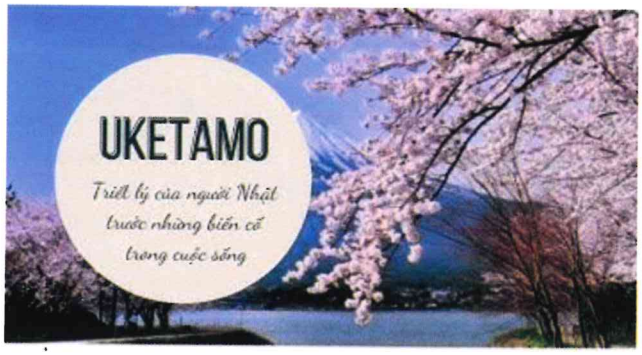

UKETAMO एक जापानी शब्द है, जिसका अर्थ है "मैं खुले दिल से स्वीकार करता हूं।" हमारे जीवन में हम कई मुद्दों का सामना करते हैं। इनमें से कुछ सकारात्मक हैं, कुछ नकारात्मक हैं, कुछ क्षण अत्यधिक तनावपूर्ण हैं; कभी-कभी हम आगे बढ़ने में असमर्थ होते हैं, और हमारे पास हमारी मदद करने वाला कोई नहीं होता, हमें समझने वाला कोई नहीं होता। कभी-कभी हम समझ नहीं पाते हैं, या यहाँ तक कि पूरी तरह से गलत समझ लिए जाते हैं। इन सबके कभी-कभी गंभीर परिणाम होते हैं और हम एक कदम भी आगे नहीं बढ़ा पाते हैं। ऐसे सभी क्षणों में जापानी सलाह UKETAMO है, 'मैं खुले दिल से स्वीकार करता हूं।'

जापानी इतिहास पर्यावरण और मानव निर्मित दोनों तरह के संघर्षों का इतिहास है। द्वितीय विश्व युद्ध के अंत के दौरान, जुलाई 1945 में हिरोशिमा और नागासाकी में अमेरिकी परमाणु बमों से जापान को सचमुच कुचल दिया गया और नष्ट कर दिया गया, जिसमें क्रमशः 80,000 और 40,000 लोग मारे गए। लोगों ने कठिन जीवन का सामना किया, और उन्होंने इस पीड़ा को वीरता से झेला। जापानियों के प्रयत्न और संघर्ष के इतिहास को पूरी दुनिया स्वीकार करती है। छोटे-छोटे संघर्षों के क्षणों में भी अपने जीवन में यह कोशिश करने दें, खुद से यह कहे, "यूकेटामो" 'मैं खुले दिल से स्वीकार करता हूं' सफल जीवन के लिए वास्तव में यह एक सकारात्मक दृष्टिकोण हैं।

एक और शब्द है ARIGATO, जिसका अर्थ है 'धन्यवाद'। 'धन्यवाद' एक व्यक्तिगत रूप से 'आपको', किसी को संबोधित शब्द है। हम हवा में 'धन्यवाद' नहीं कहते हैं। हम किसी को देखते हैं और उसे बता देते हैं। सबसे अच्छा तरीका होगा आँख मिला कर 'धन्यवाद' कहना। इसे अपने सामने वाले व्यक्ति को देखकर कहें। इसकी काफी अहमियत है। खुशी के सभी पलों और अन्य पलों में हमें यह कहने की

हिम्मत रखनी चाहिए: धन्यवाद। 'थैंक यू' (Thank you) से बेहतर शब्द हम भगवान से क्या कह सकते हैं। इससे हम दिल और आत्मा की शांति की महसूस कर सकेंगे। जब हमारे पड़ोसियों, माता-पिता, बच्चों, साथियों, जीवनसाथी, भाई या बहन, सहायकों के साथ तनावपूर्ण संबंध होते हुए भी, यदि आप 'धन्यवाद' कह सकते हैं, तो जीवन बहुत अद्भूत है।

हम अकेले नहीं है। हम दूसरों के साथ रहते हैं। हम दूसरों के साथ बातचीत करते हैं। हम उनका सामना करते हैं, या हमें दूसरों द्वारा चुनौती दी जाती है। कभी-कभी हम उस स्थिति को बदलने की कोशिश करते हैं जिसमें हम हैं। जैसे खेल में मुझे खास व्यक्तियों के साथ खेलना होता है; कभी-कभी हम ऐसी स्थितियों को बदलने में सक्षम हो सकते हैं। अगर हम इसे बदल सकते हैं,तो अच्छा है। यदि यह संभव नहीं है तो हमें अपनी मानसिकता बदलने में सक्षम होना चाहिए। यह एक बुद्धिमान और परिपक्व दृष्टिकोण है; जब हम दूसरों को नहीं बदल सकते तो हम अपनी मानसिकता, अपना स्वभाव, अपना दृष्टिकोण, आदि बदलते हैं। कुछ व्यक्ति के साथ हम बहुत अधिक व्यक्तिगत नहीं हो सकता; इसे नजर अंदाज करके उन्हें अपने काम में मन लगाना चाहिए; हम यह निर्णय लेंगे कि हम अलग तरीके से करेंगे और समस्या को अच्छी तरह से संभाला और प्रबंधित करें।

जीवन में अक्सर दूसरों के साथ टकराव हो सकता है। हमारे सामने आने वाली सभी समस्याएं अंतर-व्यक्तिगत हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि यदि कोई अकेला है तो कोई समस्या नहीं आएगी। हो सकता है, तो हम इंसान नहीं हैं। यह देने और लेने की मांग करता है; आलोचना करना और आलोचना स्वीकार करना। हम केवल ऐसी स्थिति का सपना देख सकते हैं जब सब कुछ इतना अच्छा और सुंदर हो। ऐसी स्थितियां दुर्लभ हैं। जैसा कि हम सभी व्यक्ति हैं और अलग-अलग विकल्पों और प्राथमिकताओं के साथ लाए गए हैं, हम हर चीज की अपेक्षा नहीं कर सकते हैं। यह स्वीकार करने योग्य वास्तविकता है कि जैसा हम चाहते हैं; वैसी समस्याएं आती हैं। प्रसन्नता समस्याओं की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि उन सभी से निपटने की क्षमता है। बुद्धिमत्ता की मांग है कि हम ऐसी स्थितियों से अवगत रहें, और इन्हें बहुत सहज और स्वस्थ तरीके से स्वीकार करने के लिए खुले रहें।

ARIGATO !

******

साइबर सुरक्षा

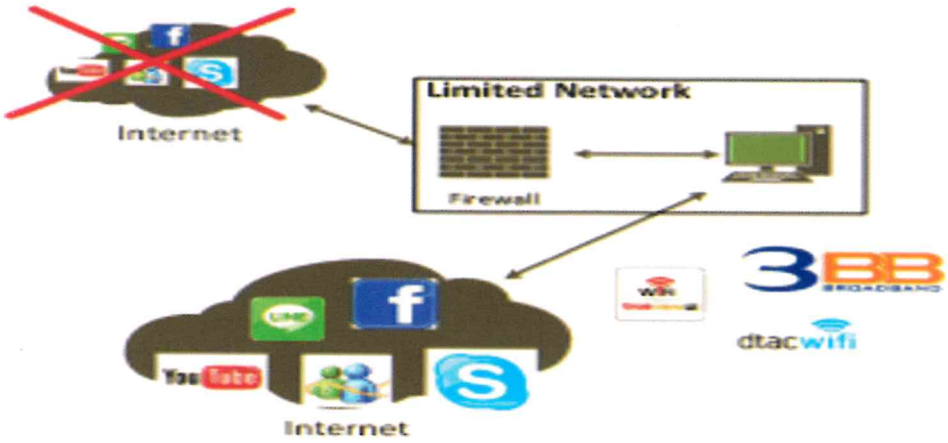

आज की आपस में जुड़ी हुई दुनिया साइबर हमलों के प्रति सभी को संवेदनशील बनाती है। साइबर उस तकनीक से संबंधित है जिसमें सिस्टम, नेटवर्क और प्रोग्राम या डेटा होते हैं। जबकि security प्रोटेक्शन से संबंधित जिसमें सिस्टम सिक्योरिटी, नेटवर्क सिक्योरिटी और एप्लीकेशन और इनफॉर्मेशन सिक्योरिटी शामिल हैं।

साइबर सुरक्षा का मतलब

साइबर सिक्युरिटी, हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और डेटा सहित इंटरनेट से कनेक्ट सिस्टम की सुरक्षा है। **साइबर सुरक्षा अनिवार्य रूप से डेटा सुरक्षा है - साइबर हमले से इलेक्ट्रॉनिक डेटा की सुरक्षा और बचाव का कार्य जैसे कि मैलवेयर, फ़िशिंग हमले और पासवर्ड हमले।**

व्यापक अर्थों में, साइबर सुरक्षा शब्द में कंप्यूटर और मोबाइल डिवाइसेस सहित क्लाउड और ऑन-साइट नेटवर्क, सर्वर, सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर सहित आईटी सिस्टम के बुनियादी ढांचे के सभी पहलुओं की सुरक्षा शामिल है। बड़े उद्यम अक्सर यह सुनिश्चित करने के लिए अपने साइबर सुरक्षा प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि संवेदनशील ग्राहक या कंपनी डेटा किसी भी हमले से सुरक्षित है।

साइबर सुरक्षा के प्रकार

1) Network Security:

नेटवर्क सिक्युरिटी घुसपैठियों से कंप्यूटर नेटवर्क को सुरक्षित करने का अभ्यास है, चाहे लक्षित हमलावर या अवसरवादी मैलवेयर।

2) Application Security:

एप्लिकेशन सिक्युरिटी, सॉफ़्टवेयर और डिवाइसेस को खतरों से मुक्त रखने पर केंद्रित है। एक समझौता किए गए एप्लिकेशन, सिक्युरिटी के लिए डिज़ाइन किए गए डेटा का एक्सेस प्रदान कर सकता है। डिजाइन स्टेप में सफल सिक्युरिटी शुरू होती है, इससे पहले कि कोई प्रोग्राम या डिवाइस तैनात किया जाता है।

3) Information Security:

इनफॉर्मेशन सिक्युरिटी, डेटा की अखंडता और प्राइवेसी की रक्षा करती है, दोनों स्टोरेज और ट्रांजिट में।

4) Operational Security:

ऑपरेशनल सिक्युरिटी में डेटा एसेट को संभालने और उनकी सिक्युरिटी के लिए प्रक्रियाएं और निर्णय शामिल हैं। किसी नेटवर्क तक पहुँचने के दौरान यूजर की अनुमतियाँ और यह निर्धारित करने की प्रक्रियाएँ कि डेटा को कैसे और कहाँ स्टोर या शेयर किया जा सकता है सभी इस सिक्युरिटी के नीचे आते हैं।

5) Disaster Recovery and Business Continuity:

यह सिक्युरिटी यह परिभाषित करती है कि कैसे एक ऑर्गनाइज़ेशन साइबर सिक्युरिटी घटना या किसी अन्य घटना पर प्रतिक्रिया करता है जो संचालन या डेटा के नुकसान का कारण बनता है। डिजास्टर रिकवरी की पॉलिसी यह बताती हैं कि ऑर्गनाइज़ेशन अपने परिचालन और सूचनाओं को उसी परिचालन क्षमता पर वापस लाता है जैसे कि हमले से पहले था। व्यवसाय की निरंतरता वह योजना है जिसे ऑर्गनाइज़ेशन कुछ संसाधनों के बिना संचालित करने की कोशिश में वापस आता है।

6) End-User Education:

एंड-यूजर एजूकेशन सबसे अप्रत्याशित साइबर-सिक्युरिटी फैक्टर को संबोधित करती है। कोई भी गलती से अच्छी सिक्युरिटी प्रथाओं का पालन करने में विफल रहने से एक वायरस को सिक्युरिटी सिस्टम में ला सकता है। किसी भी ऑर्गनाइज़ेशन की सिक्युरिटी के लिए यूजर्स को संदेहास्पद ईमेल अटैचमेंट को हटाना, अज्ञात USB ड्राइव को प्लग इन न करना, और विभिन्न अन्य महत्वपूर्ण सबक सीखने चाहिए।

साइबर सुरक्षा खतरों के प्रकार

साइबर सिक्युरिटी के कई अलग-अलग प्रकार के खतरे हैं, कुछ सबसे सामान्य प्रकार के खतरे नीचे सूचीबद्ध हैं,

1) Viruses

वायरस एक प्रकार के मैलवेयर प्रोग्राम हैं जिन्हें विशेष रूप से पीड़ितों के कंप्यूटर को नुकसान पहुंचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

2) Identity Theft

सोशल मीडिया वेबसाइटों जैसे कि फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि से पीड़ितों की व्यक्तिगत जानकारी की चोरी करना और पीड़ितों का एक पिक्चर बनाने के लिए उस जानकारी का उपयोग करना शामिल है।

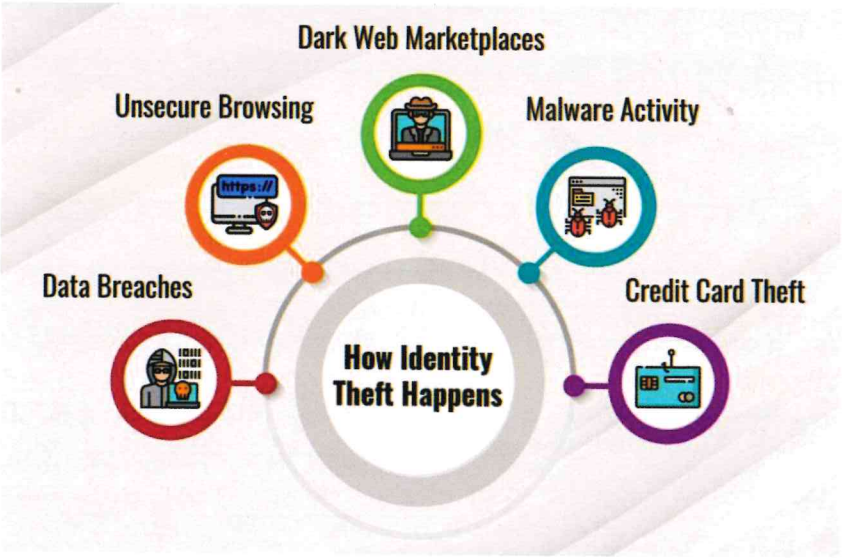

3) Password Attacks

यूजर के पासवर्ड को क्रैक करने के लिए हैकर्स द्वारा हैकिंग का प्रयास शामिल है।

4) Spyware and Key loggers

स्पाइवेयर और कीलॉगर, यूजर की इनफॉर्मेशन, पासवर्ड, ब्राउज़िंग हिस्ट्री इत्यादि इकट्ठा करते हैं, और फिर उन्हें अपने क्रिएटर (हैकर्स) तक पहुंचाते हैं, जो इस व्यक्तिगत जानकारी को थर्ड पार्टी को बेचता या वितरित कर सकते हैं।

5) Adware

Adware मैलवेयर का एक समूह है जो पॉप-अप को उत्पन्न करने के लिए जाना जाता है। यदि यूजर उस अतिरिक्त सॉफ़्टवेयर को डाउनलोड करता है, तो वह आपके डेटा को या तो डिलिट कर सकता है या चोरी कर सकता है।

6) Trojans

ट्रोजन एक प्रकार के मैलवेयर प्रोग्राम हैं जो स्वयं को हानिरहित या उपयोगी सॉफ़्टवेयर के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

7) Ransomware

रैंसमवेयर हमले पीड़ित को शोषण के बारे में सूचित करते हैं, और यह उससे कैसे उबरना हैं इसके निर्देश भी देता है (आमतौर पर यह वसूली के लिए भुगतान की मांग करता है)।

8) Phishing Emails

फ़िशिंग ईमेल का उपयोग आमतौर पर यूजर से निजी जानकारी चुराने के लिए किया जाता है जबकि स्पैम ईमेल का उपयोग आम तौर पर इंटरनेट पर एक ही मैसेज की कई कॉपिज के साथ बाढ़ लाने के लिए किया जाता है, जो कंप्यूटर यूजर को इस मैसेज पर लाने को मजबूर करने के प्रयास होता है जो अन्यथा इसे प्राप्त करने का विकल्प नहीं चुनते हैं।

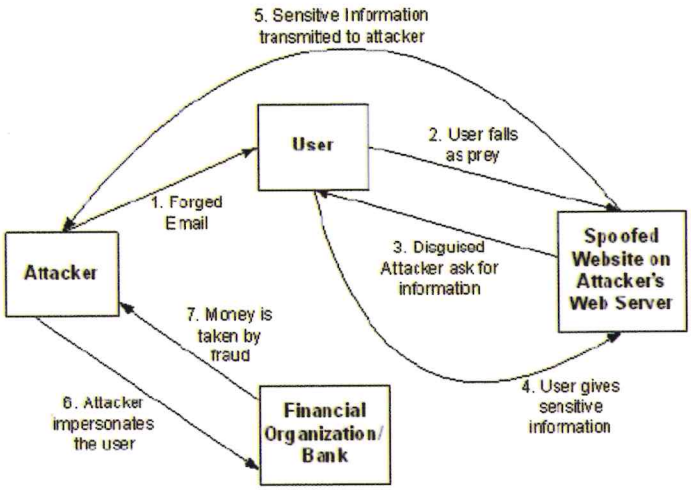

******

TAKE IT EASY! JUST CHILL !

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में युवा पीढ़ी के मुख से जो दो शब्द अक्सर सुनाई पड़ते हैं टेक इट इजी और जस्ट चिल पर क्या रोज बेरोज के व्यवहारिक जीवन की आपाधापी के बीच यह संभव है नकारात्मक अनुभव और अशांति ग्रस्त परिस्थितियों के बीच रहकर स्वयं को हल्का और आसपास के वातावरण को शांत रखना सबसे बड़ी चुनौती है। हमें सर्वप्रथम अपने अंदर चुप्पी दबी हुई आत्मिक शक्ति को उजागर करना होगा क्योंकि यही वह ऊर्जा है जिसके जीवन में आने वाली हर चुनौतियों का सरलता से मुकाबला कर सकते हैं।

किसी भी व्यक्ति का मानसिक संतुलन उनके दृष्टिकोण पर निर्भर है। किसी विद्वान दार्शनिक ने कहा है हम परिस्थिति को बदल नहीं सकते लेकिन उनके प्रति देखने का अपना दृष्टिकोण अवश्य बदल सकते हैं। परंतु जब वास्तविक परिस्थिति हमारे समक्ष आती हैं, तब अपने मन से नकारात्मक पूर्व ग्रहों के कारण सकारात्मक परिवर्तन लाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे कहा जाता है कि जैसे सोचेंगे वैसे बनेंगे।

हमारे दृष्टिकोण का बीज है हमारी विश्वास प्रणाली अपनी विश्वास प्रणाली की सबसे बड़ी कृति है अपने अंतर्मन में खुद को हीन समझते हैं और सकारात्मक विचार की कमी है, इस हीन भावना को दूर करना अनिवार्य है।

- **अपनी कमियों के बारे में ज्यादा न सोचे**
- **सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ाएं**
- **अपनी खूबियों को पहचान कर उन्हें उबारने की कोशिश करें**
- **अपना सम्मान करना सीखें**

समाज को, रिश्तेदार को, दोस्तों को, अजनबीयों को दोष देना बहुत ही आसान होता है लेकिन किसी भी कमी को स्वीकार करना और हंसते हुए कहना कि मैं जैसा हूं वैसा तो हो सकता है। लाखों हो पर अब जो मैं बनूंगा वैसे बनने के लिए लाभ लाखों तरसेंगे। उठो उडो क्योंकि आसमान को मापना अभी बाकी है।

मंजिल उन्हीं को मिलती है
जिनके सपनों में जान होती है
पंख से कुछ नहीं होता है
यारों हौसले से उड़ान होती है

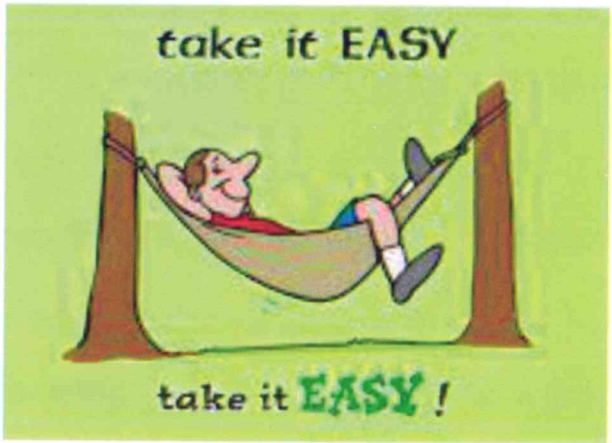

राष्ट्रीय ध्वज तथ्यों पर एक नज़र

I. **राष्ट्रीय ध्वज**, तीन क्षैतिज रंगों का ध्वज है। इसमें सबसे ऊपर गहरा केसरिया रंग, बीच में सफेद और सबसे नीचे हरे रंग की पट्टी है।

II. **ध्वज की लंबाई और चौड़ाई का अनुपात 3:2 है।**

III. **केसरिया रंग साहस, बलिदान और त्याग को बताता है। सफेद रंग सच्चाई और विचारों की पवित्रता एवं गहरा हरा रंग जीवन की समृद्धि का प्रतीक है।**

IV. सफेद पट्टी के मध्य में एक '**चक्र है जो की प्रगति और गतिशीलता का' प्रतीक है।** यह **अशोक चक्र** से लिया गया है जो कि नीले रंग का पहिया है जिसमे **24 तीलियां** हैं। इस चक्र का व्यास, ध्वज की सफेद पट्टी की चौड़ाई के तीन चौथाई के लगभग है।

V. **कानूनी तौर पर भारत का राष्ट्रीय ध्वज खादी से बनाया जाना चाहिए।** राष्ट्रीय ध्वज, खादी सूत या सिल्क के धागों से बुना विशेष प्रकार का कपड़ा होता है जिसे महात्मा गांधी ने लोकप्रिय बनाया था।

VI. **सुप्रीम कोर्ट ने 2002 में संविधान के अनुच्छेद 19 (i) (ए)** के तहत **ध्वज फहराने के अधिकार को मौलिक अधिकार** के रूप में घोषित किया था।

VII. **भारत के राष्ट्रीय ध्वज को बनाने का अधिकार खादी विकास एवं ग्रामोद्योग आयोग को है**, जो इस काम को क्षेत्रीय समूहों को आवंटित करता है।

BASIC HINDI GRAMMAR RULES

- Hindi sentence structure generally tends to follow a Subject-Object-Verb pattern.
- Hindi nouns have genders: Masculine and Feminine.
- Masculine usually ending in "a" and Feminine usually ending in "i" or "iya".
- Hindi Verbs usually follow the object of the sentence and can have past, present, or future tenses.
- Hindi adjective changes according to the gender of the word they are modifying.

Sentence Structure

- The basic Hindi sentence structure follows the **SOV pattern**.

We have the order subject + object + verb in Hindi sentences.

1 – Subject

The subject usually comes at the beginning of a sentence.

मैं खाता हूँ। (*main khaaTaa huun.*)	"I eat."

Here, "I" or मैं (*main*) is the subject.

2 – Object

An object follows immediately after the subject and before the verb.

मैं फल खाता हूँ। (*main phaL khaaTaa huun.*)	"I eat fruits."

Here, "fruits" or फल (*phaL*) is the object.

3 – Verb

In Hindi, the verb (along with the helping verb) comes at the end of the sentence.

मैं फल खाता हूँ। (*main phaL khaaTaa huun.*)	"I eat fruits."

Here, "eat" or खाता हूँ (*khaaTaa huun*) is the verb.

2. Basic Word Order with Subject, Verb, and Object

1 – Declarative Sentences (Formal / Fixed)

मैं फल खाता हूँ । (*main phaL khaaTaa huun.*) **(S + O + V)**	"I eat fruits." **(S + V + O)**

- This is the simplest and most basic Hindi sentence structure, where the subject occupies the first position and is followed by the object and then the verb.

2 – Declarative Sentences (Informal / Flexible)

मैं खाता हूँ फल। (*main khaaTaa huun phaL.*) **(S +V+O)**	"I eat fruits." **(S + V + O)**

3 – Negative Sentences

मैं फल नहीं खाता हूँ । (*main phaL Nahiin khaaTaa huun.*) **(S + O + V)**	"I do not eat fruits." **(S + V + O)**

- The distinguishable features in Hindi compared to English are that, in Hindi, helping verbs come at the end of the sentence; in English, they're present in the first part of the sentence.
- Moreover, when using Hindi word order, we have a separate word for expressing the negative condition. For instance, in the above example, "not" or नहीं (*Nahiin*) comes right after the object and just before the verb.

4 – Interrogative Sentence

क्या मैं फल खाता हूँ? (*kyaa main phaL khaaTaa huun.*) **(S + O + V)**	"Do I eat fruits?" **(Auxiliary verb + S + V + O)**

- Unlike in English, the auxiliary verbs in Hindi do not come at the beginning of interrogative sentences. Instead, there are separate words for asking questions in Hindi.

3. Word Order with Prepositional Phrases

In Hindi grammar, word order with additional words would look something like this:

1 – Frequency

मैं रोज़ फल खाता हूँ। (*main roz phaL khaaTaa huun.*)	"I eat fruits daily."

Okay, in the example above, we've used the adverb "daily," which is translated as रोज़ (*roz*) in Hindi. It's clear to see how the adverb of frequency रोज़ (*roz*) smoothly takes its place between the subject and the object.

In a similar Hindi sentence structure, you can replace it with other frequency adverbs (e.g. "occasionally" or "rarely").

2 – Time

मैं शाम को फल खाता हूँ। (*main saam ko phaL khaaTaa huun.*)	"I eat fruit in the evening."

The adverb of time is placed somewhere between the subject and the object. In case there's no object, the time comes right between the subject and the action in the sentence.Using the example above as a reference, we can also talk about specific times, such as:

मैं शाम को 4 बजे फल खाता हूँ। (*main saam ko caar baje phaL khaaTaa huun.*)	"I eat fruits at 4 p.m. in the evening."

3 – Place

मैं रोज़ शाम को दफ़्तर में फल खाता हूँ। (*main roz saam ko Daf Tar men phaL khaaTaa huun.*)	"Every evening, I eat fruit in the office."

Again, similar to the time adverb, the words for place also happen to be present between the subject and the object / verb.

4 – Manner

मैं फल काट कर खाता हूँ। (*main phaL kaat kar khaaTaa huun.*)	"I eat fruits after cutting them."

- धो कर (*DHo kar*) = "After washing"
- छील कर (*chiiL kar*) = "After peeling"

5 – Multiple Objects

For instance, a person may eat fruit with milk, in salad, or in a smoothie. In such cases, the example below will come in handy.

मैं रोज़ शाम को दूध के साथ फल खाता हूँ। (*main roz saam ko DuuDH ke SaaTH phaL khaaTaa huun.*)	"Every evening, I eat fruits with milk."

6 – Adjective

In Hindi, adjectives are placed just before the object.

मैं रोज़ ताज़े फल खाता हूँ। (*main roz Taaze phaL khaaTaa huun.*)	"I eat fresh fruits every day."
मैं हर तरह के फल खाता हूँ। (*main har Tarah ke phaL khaaTaa huun.*)	"I eat all types of fruits."

4. Word Order with Modifiers

Modifiers are the words which are used to modify any object or person in the sentence. A modifier could be an adjective, a number, or any determiner.

When modifying an English grammar sentence structure in Hindi, you can find a modifier right before the noun. However, you'll notice that when there are two modifiers, the noun may come in between both.

1 – Number

मेरे पास दो सेब हैं। (*mere paaS Do Seb hain.*)	"I have two apples."

As you can see, here the modifier is a number. It's modifying the noun "apple," or सेब (*Seb*), and is just before that noun.

2 – Determiners and Possessives

यह सेब मेरा नहीं है। (*yah Seb meraa Nahiin hai.*)	"This apple is not mine."

Now, this is an example of two modifiers in the same sentence. Here, the noun is "apple," or सेब (*Seb*). The first modifier is the determiner "this," or यह (*yah*), and the second modifier is the possessive "mine," or मेरा (*meraa*).

3 – Relative

मैंने जो सेब फ़्रिज में रखा था वो ख़राब हो गया है। (*mainNe jo Seb frij men rakhaa THaa vo kharaab ho gayaa hai.*)	"The apple that I had kept in the fridge has gone bad."

5. Changing the Sentence into a Yes-or-No Question

How to change a simple sentence into a question.

In Hindi, the auxiliary verbs have no special role in interrogative sentences. Instead, Hindi has separate words for asking questions.

Now, a yes-or-no question starts with "what," or क्या (*kyaa*). Use(क्या) *kyaa*) as the first word in the sentence.

Statement 1	मुझे फल खाना पसंद है। (*mujhe phaL khaaNaa paSaND hai.*)	"I like to eat fruits."
Question (Formal)	क्या मुझे फल खाना पसंद है? (*kyaa mujhe phaL khaaNaa paSaND hai?*)	"Do I like to eat fruits?"
Question (Informal)	मुझे फल खाना पसंद है क्या? (*mujhe phaL khaaNaa paSaND hai kyaa?*)	"Do I like to eat fruits?"
Answer	हाँ, मुझे फल खाना पसंद है। (*haan, mujhe phaL khaaNaa paSaND hai.*)	"Yes, I like to eat fruits."
Statement 2	सेब मेरा सबसे पसंदीदा फल है। (*Seb meraa Sab Se paSaNDiiDaa phaL hai.*)	"Apple is my favorite fruit."
Question	क्या सेब मेरा सबसे पसंदीदा फल है? (*kyaa Seb meraa Sab Se paSaNDiiDaa phaL hai?*)	"Is apple my favorite fruit?"
Answer	हाँ, सेब मेरा सबसे पसंदीदा फल है। (*haan, Seb meraa Sab Se paSaNDiiDaa phaL hai.*)	"Yes, apple is my favorite fruit."

रिलैक्स PLEASE !

लडका : मैं उस लडकी से शादी करुंगा,
जो मेहनती हो,
सादगी से रहती हो,
घर को संवारकर रखती हो,
आज्ञाकारी हो।
प्रेमिका: मेरे घर आ जाना,
ये सारे गुण मेरी नौकरानी में है

Jokes

Wife:"मुझे नई साड़ी चाहिए अम्मी जान से मंगवा दो"

Husband : गंवार वो अम्मा जान नहीं.. Amazon है ....

लॉकडाउन खत्म होने के बाद स्कूल मीटिंग

आदमी:- मैम मैं बच्चे का पिता हूँ...!
टीचर:- जी जानती हूँ, कई बार आपको ऑनलाइन क्लास में पीछे झाड़ू लगाते देखा है..!

12 साल बाद वो जेल से छूटा मैले कुचैले कपड़ों में बहुत थका हुआ घर पहुंचा.
घर पहुंचते ही बीबी चिल्लाई:
कहां घूम रहे थे इतनी देर?
आपकी रिहाई तो 2 घंटे पहले ही हो गई थी ना?
तो आदमी वापिस जेल चला गया.

पत्नी ने एक बोर्ड देखा बनारसी साड़ी 10/-
नायलॉन 8/- कॉटन 5/-
पत्नी खुश हो के अपने पति से- मुझे Rs..500 दो, में 50 साड़ी खरीदुंगी।
पति- अरी ओ बीरबल की मां, प्रैस करने वाले की दुकान है।

टीचर छात्र से गुस्से में कहता है...
टीचर- नालायक! क्लास में दिन भर लड़कियो के साथ इतनी बातें क्यों करता है?
छात्र- सर मैं ग़रीब हूं इसलिए!
टीचर- इससे गरीबी का क्या लेना देना?
छात्र- सर मेरे मोबाइल में व्हाट्सऐप नहीं है
टीचर की आंखों में आंसू आ गए..

अध्यापक 'संतोष आम खाता है' इस वाक्य को हिंदी में ट्रांसलेट करो
पप्पू ने अंग्रेजी में ट्रांसलेट किया.....
Satisfaction is General Account

लड़का: सूरज हुआ मद्धम,चांद जलने लगा. आसमां ये हाय, क्यूं पिघलने लगा. मैं ठहरा रहा ज़मीं चलने लगी. धड़का ये दिल सांस थमने लगी. क्या ये मेरा पहला पहला प्यार है?

लड़की: अबे बेवकूफ़. ये प्यार नहीं भूकंप है.... भाग ले....

टीचर : वाक्य को अंग्रेजी में ट्रांसलेट करो 'वसंत ने मुझे मुक्का मारा'
संजू : वसन्तपंचमी

शिक्षक (पप्पू से) - तुम्हारा जन्म कहां हुआ था ?
पप्पू - तिरुअंतपुरम मे....
शिक्षक - तो इसकी स्पेलिंग बताओ...
पप्पू - बहुत सोचने के बाद...
मेरे ख्याल से मेरा जन्म गोवा मे हुआ था।

टीचर : न्यूटन का नियम बताओ
लड़का : सर पूरी लाइन तो याद नहीं लास्ट का याद हैं
टीचर : चलो लास्ट का ही सुनाओ
लड़का : और इसे ही न्यूटन का नियम कहते हैं

चेन्नै पत्तन प्राधिकरण

हिंदी में कार्य करने हेतु कर्मचारियों को प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहन योजना

Incentive scheme to motivate the Employees to work in Hindi.

"In a Calendar year i.e. from January to December, every year for writing 1000 words – Rs.250/- and for every additional 1000 words Rs.300/- will be granted"

Officers / Employees Participating in the incentive scheme :

Smt. R. Poongothai

Smt. Lilly Jemima Thangamalar

Smt. Thirumala Devi

Smt. S.Kumuda

Smt. Ammu

Shri Venkatesan

Shri Sivakumar

Shri Ravindranath

Shri R.Prabakaran

Shri R.P.Nithyanandam

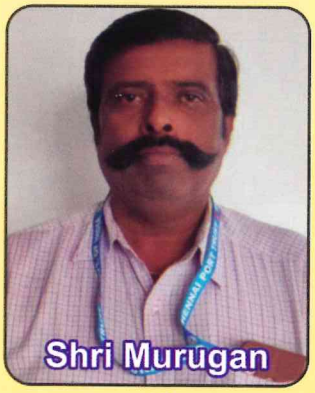
Shri Murugan

Shri Lingasen

PM GatiShakti
PORT OF CHENNAI
KPL
G20
SAGARMALA
CHENNAI PORT AUTHORITY & KAMARAJAR PORT LIMITED
TRADE FELICITATION MEET - 2023
SHRI SARBANANDA SONOWAL